To Solve the Problem of Rainy Water Accumulation

*1550. **Shri Sombir Sangwan, M.L.A.:** Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that there is problem of rainy water accumulation in villages Imlota, Bigowa, Morwala, Bhagwi, Kanheti, Achinatal, Loharwara, Samaspur, Khatiwas, Mirch, Jaishree, Bhageshwari, Ghikada, Charkhi, Pandwan, Birhi Khurd and Barsana of the Dadri Assembly Constituency; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to solve the abovesaid problem togetherwith the details thereof ?

SH. MANOHAR LAL, CHIEF MINISTER, HARYANA

Yes, Sir. 6 No. schemes amounting to Rs. 934.28 lacs have now been approved in 53rd meeting of Haryana State Drought Relief and Flood Control Board (HSDR&FCB) held on 24.01.2022 for providing permanent solution to the problem of rain water accumulation in these villages.

बरसाती पानी एकत्रित होने की समस्या का समाधान करना

*1550. **श्री सोमबीर सांगवान, एम.एल.ए.:** क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि क्या यह तथ्य है कि दादरी विधान सभा निर्वाचनक्षेत्र के गांवों इमलोटा, बिगोवा, मोरवाला, भागवी, कनहेटी, आचिनाताल, लोहरवाड़ा , समसपुर, खातीवास, मिर्च, जयश्री, भागेश्वरी, घिकाडा, चरखी, पनडवान, बीरही खुर्द तथा बरसाना में बरसाती पानी एकत्रित होने की समस्या है; यदि हां, तो क्या उपरोक्त समस्या का समाधान करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है तथा उसका ब्यौरा क्या है?

श्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री, हरियाणा

हॉ, श्रीमान जी। इन गांवों में वर्षा जल जमाव की समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए 24.01.2022 को आयोजित हरियाणा राज्य सूखा राहत और बाढ़ नियंत्रण बोर्ड (एचएसडीआर और एफसीबी) की 53वीं बैठक में 934.28 लाख रूपये की लागत की 6 योजनाऐं स्वीकृत की गई है।

पैड़ के लिए नोट
तारांकित विधान सभा प्रश्न संख्या 1550

चरखी दादरी विधान सभा क्षेत्र की सिंचाई मुख्य रूप से लोहारू फीडर, लोहारू नहर, बंधवाना डिस्ट्रीब्यूट्री और कितलाना डिस्ट्रीब्यूट्री के माध्यम से की जा रही है। लोहारू फीडर और लोहारू नहर 32 दिन के चक्र में से लगातार 16 दिन चलती है। चरखी दादरी विधान सभा क्षेत्र में कोई जल निकासी नेटवर्क मौजूद नही है इसलिए बाढ़ का पानी नहरों में ही निकाला जा रहा है।

जिला चरखी दादरी के अधिकांश क्षेत्रों में उच्च भू जल–स्तर (एस.एस.डब्ल्यू.एल) है और किसान चैनलों के साथ धान की फसल उगाते हैं जो भू जल–स्तर को बढ़ाता है। मानसून सीजन 2021 में जिला चरखी दादरी में सामान्य से 22 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई, जिससे क्षेत्र में जलमग्न की समस्या और भी गंभीर हो गई थी। विभाग के प्रयासों से प्रभावित क्षेत्रों में खड़ी फसलों को बचा लिया गया है और रबी फसल की बुवाई समय पर कर दी गयी है।

ग्रामवार विवरण इस प्रकार हैः–

<u>इमलोटाः</u>– इस गांव के क्षेत्र की सिंचाई बंधवाना डिस्ट्रीब्यूट्री और लोहारू फीडर के माध्यम से की जाती है। विभिन्न जगहों पर किसानों द्वारा गड्ढे बनाए गए है और उन्होनें ईंट बनाने के लिए ईंट भट्ठा मालिकों को मिट्टी बेच दी है।

वर्षा ऋतु 2021 के दौरान, लगभग 2000 एकड़ कृषि और आबादी क्षेत्र जलमग्न हो गया था, जिसे विभिन्न स्थलों पर अस्थायी ईलेक्ट्रिक पंपिंग (ईपी) सेट और डीजल पंपिंग (डिपी) सेट लगाकर एवं स्थायी स्थलों पर लगे वर्टिकल टरबाईन (वीटी) पंपों द्वारा बंधवाना डिस्ट्रीब्यूट्री में निकाला गया था।

अब इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड (एचएसडीआर और एफसीबी) की 53वीं बैठक में 313.82 लाख रूपये लागत से 11605 फीट की लंबाई वाली नई इमलोटा ड्रेन जोकि लोहारू फीडर की बुर्जी संख्या 42400–बाएं पर गिरती है, के निर्माण के लिए एक योजना को मंजूरी दी गई है। योजना के कियान्वयन के बाद जमीनी हालात में सुधार होगा।

<u>बीगोवाः</u>– इस गांव के क्षेत्र की सिंचाई बधवाना डिस्ट्रीब्यूट्री और लोहारू फीडर के माध्यम से की जाती है। विभिन्न जगहों पर किसानों द्वारा गड्ढे बनाए गए हैं और उन्होनें ईंट बनाने के लिए ईंट भट्ठा मालिकों को मिट्टी बेच दी है।

वर्षा ऋतु 2021 के दौरान, लगभग 1200 एकड़ कृषि और आबादी क्षेत्र जलमग्न हो गया था, जिससे विभिन्न स्थलों पर अस्थायी ईलेक्ट्रिक पंपिंग (ईपी) सेट लगाकर बंधवाना डिस्ट्रीब्यूट्री में निकाल दिया गया था।

अब इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए एचएसडीआर और एफसीबी की 53 वीं बैठक में 247.86 लाख रूपये की लागत से 900 मिमी व्यास की 6000 फीट लंबी आरसीसी पाइप लाइन बिछाने की योजना को मंजूरी दे दी गई है। जो बिगोवा गांव में जल निकास एवं सिंचाई का कार्य करेगी तथा बुर्जी संख्या 45000–दाएं से लोहारू फीडर में समाहित होगी। योजना के क्रियान्वयन के बाद जमीनी हालात में सुधार होगा।

<u>मोर वाला</u>:– इस गांव के क्षेत्र की सिंचाई बंधवाना डिस्ट्रीब्यूट्री और लोहारू फीडर के माध्यम से की जाती है। वर्षा ऋतु 2021 के दौरान, लगभग 800 एकड़ कृषि भूमि और आबादी क्षेत्र (ओवरफलोइग तालाब) जलमग्न हो गया। जिससे विभिन्न अस्थायी स्थलों पर ईलेक्ट्रिक पंपिंग (ईपी) सेट लगाकर पाइप लाइन के माध्यम से लोहारू फीडर में निकाल दिया गया था।

अब इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए एचएसडीआर और एफसीबी की 53 वीं बैठक में 200.00 लाख रूपये की लागत से 900 मिमी व्यास की 4500 फीट लंबी आरसीसी पाइप लाइन बिछाने की योजना को मंजूरी दे दी गई है। जो मोर वाला गांव में जल निकास एवं सिंचाई का कार्य करेगी तथा लोहारू फीडर की बुर्जी संख्या 4900–बाएं में समाहित होगी। योजना के क्रियान्वयन के बाद जमीनी हालात में सुधार होगा।

<u>भागवी</u>:– इस गांव की सिंचाई बंधवाना डिस्ट्रीब्यूट्री के माध्यम से की जा रही है। वर्षा ऋतु 2021 के दौरान, लगभग 1300 एकड़ कृषि भूमि और आबादी क्षेत्र (ओवरफलोइग तालाब) जलमग्न हो गया। जिससे विभिन्न अस्थायी स्थलों पर ईलेक्ट्रिक पंपिंग (ईपी) सेट लगाकर बधंवाना डिस्ट्रीब्यूट्री में निकाल दिया गया था।

<u>कानेहडी</u>:– इस गांव की सिंचाई बंधवाना डिस्ट्रीब्यूट्री के माध्यम से की जा रही है। विभिन्न जगहों पर किसानों द्वारा गड्ढे बनाए गए है और उन्होनें ईंट बनाने के लिए ईंट भट्ठा मालिकों को मिट्टी बेच दी है। वर्षा ऋतु 2021 के दौरान, लगभग 600 एकड़ कृषि भूमि और आबादी क्षेत्र (ओवरफलोइग तालाब) जलमग्न हो गया, जिसे अस्थायी स्थल पर ईलेक्ट्रिक पंपिंग (ईपी) सेट और डीजल पंपिंग (डिपी) सेट लगाकर बंधवाना डिस्ट्रीब्यूट्री में निकाल दिया गया था।

<u>अचिना</u>:– इस गांव की सिंचाई लोहारू फीडर के माध्यम से की जा रही है। वर्षा ऋतु 2021 के दौरान, लगभग 115 एकड़ कृषि भूमि और आबादी क्षेत्र (ओवरफलोइग तालाब) जलमग्न हो गया। जिसे विभिन्न स्थलों पर अस्थायी ईपी सेट एवं स्थायी लगे वीटी पंपों द्वारा लोहारू फीडर में निकाला गया। अब स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए एचएसडीआर और एफसीबी की 53वीं बैठक में 110 लाख रूपये की 2 योजनाओं (55.00 लाख रूपये प्रत्येक) खसरा संख्या 229 और संख्या 238 गांव अचीना, तहसील–बौदं कलां, जिला चरखी दादरी में जलाश्य बनाने की मंजूरी दे दी गई है। योजना के क्रियान्वयन के बाद जमीनी हालात में सुधार होगा।

लोहारवाड़ाः— लोहारू फीडर के माध्यम से इस गांव के क्षेत्र की सिंचाई संचालित की जा रही है। वर्षा ऋतु 2021 के दौरान, लगभग 700 एकड़ कृषि भूमि और आबादी क्षेत्र (ओवरफलोइग तालाब) जलमग्न हो गया। जिसे स्थायी स्थल पर वीटी पंप लगाकर लोहारू फीडर में निकाल दिया गया था।

समसपुरः— लोहारू फीडर और समसपुर माइनर के माध्यम से इस गांव के क्षेत्र की सिंचाई संचालित की जा रही है। वर्षा ऋतु 2021 के दौरान, लगभग 300 एकड़ कृषि भूमि और आबादी क्षेत्र (ओवरफलोइग तालाब) जलमग्न हो गया। जिसे विभिन्न अस्थायी स्थल पर ईलेक्ट्रिक पंपिंग (ईपी) सेट और डीजल पंपिंग (डिपी) सेट लगाकर लोहारू फीडर और समसपुर माइनर में निकाल दिया गया था।

खातीवासः— लोहारू फीडर के माध्यम से गांव के क्षेत्र की सिंचाई संचालित की जा रही है। वर्षा ऋतु 2021 के दौरान, लगभग 600 एकड़ कृषि भूमि और आबादी क्षेत्र (ओवरफलोइग तालाब) जलमग्न हो गया। जिसे विभिन्न अस्थायी स्थलों पर ईलेक्ट्रिक पंपिंग (ईपी) सेट और स्थायी स्थलों पर वीटी पंप सेट लगाकर लोहारू फीडर में निकाल दिया गया था।

मिर्चः— मिश्री माईनर के माध्यम से इस गांव के क्षेत्र की सिंचाई संचालित की जा रही है। वर्षा ऋतु 2021 के दौरान, लगभग 40 एकड़ कृषि भूमि और आबादी क्षेत्र जलमग्न हो गया था। जिसे अस्थायी स्थल पर ईलेक्ट्रिक पंपिंग (ईपी) सेट लगाकर मिश्री माइनर में निकाल दिया गया था।

जयश्री एवं कामोदः— लोहारू फीडर एवं कामोद माइनर के माध्यम से इन गांवों के क्षेत्र की सिंचाई संचालित की जा रही है। वर्षा ऋतु 2021 के दौरान, लगभग 700 एकड़ कृषि भूमि और आबादी क्षेत्र जलमग्न हो गया था। जिसे विभिन्न अस्थायी स्थलों पर वीटी पंप लगाकर लोहारू फीडर में निकाल दिया गया था।

भगेश्वरीः— लोहारू फीडर के माध्यम से इस गांव के क्षेत्र की सिंचाई संचालित की जा रही है। वर्षा ऋतु 2021 के दौरान, लगभग 70 एकड़ कृषि भूमि और आबादी क्षेत्र (ओवरफलोइग तालाब) जलमग्न हो गया था। जिसे स्थायी स्थल पर वीटी पंप लगाकर लोहारू फीडर में निकाल दिया गया था।

घिकाराः— गांव के क्षेत्र की सिंचाई लोहारू नहर के माध्यम से की जा रही है। वर्षा ऋतु 2021 के दौरान, लगभग 101 एकड़ कृषि भूमि और तालाब जलमग्न हो गए थे। जिसे विभिन्न अस्थायी स्थलों पर ईलेक्ट्रिक पंपिंग (ईपी) सेट और स्थायी स्थलों पर वीटी पंप लगाकर लोहारू नहर और मिश्री माइनर में निकाल दिया गया था।

चरखीः— लोहारू नहर के माध्यम से इस गांव के क्षेत्र की सिंचाई संचालित की जा रही है। वर्षा ऋतु 2021 के दौरान, लगभग 130 एकड़ कृषि भूमि और तालाब जलमग्न हो गए

थे। जिसे विभिन्न अस्थायी स्थलों पर ईलेक्ट्रिक पंपिंग (ईपी) सेट और स्थायी स्थलों पर वीटी पंप लगाकर लोहारू फीडर और किटलाना माइनर में निकाल दिया गया था।

अब स्थायी समाधान उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न क्षेत्र बिंदुओं से कितलाना माइनर तथा लोहारू नहर में 200 मिमी ब्यास की भूमिगत पाइपलाइन बिछाने के लिए 62.60 लाख रूपये की योजना को एचएसडीआर और एफसीबी की 53वीं बैठक में मंजूरी दी गई है। योजना के कियान्वयन के बाद जमीनी हालात में सुधार होगा।

<u>पांडवान</u>ः— गांव के क्षेत्र की सिंचाई लोहारू नहर के माध्यम से की जा रही है। वर्षा ऋतु 2021 के दौरान गांव का तालाब जलमग्न हो गया था जिसे स्थल पर अस्थायी ईलेक्ट्रिक पंपिंग (ईपी) सेट लगाकर निकाला गया था।

<u>बिरही खुर्द/कलां</u>ः— लोहारू नहर के माध्यम से इस गांव के क्षेत्र की सिंचाई की जाती है। बरसात के मौसम 2021 के दौरान, लगभग 115 एकड़ कृषि भूमि और आबादी क्षेत्र जलमग्न हो गए थे। जिसे विभिन्न अस्थायी स्थलों पर ईलेक्ट्रिक पंपिंग (ईपी) सेट और स्थायी स्थलों पर वीटी पंप लगाकर लोहारू नहर में निकाल दिया गया था।

<u>बरसाना</u>ः— लोहारू नहर के माध्यम इस गांव के क्षेत्र की सिंचाई कमान संचालित की जा रही है। वर्षा ऋतु 2021 के दौरान लगभग 15 एकड़ कृषि भूमि जलमग्न हो गई जिसे अस्थायी स्थल पर ईलेक्ट्रिक पंपिंग (ईपी) सेट लगाकर लोहारू नहर में निकाल दिया गया था।